EXPORT PROMOTION COUNCIL FOR HANDICRAFTS
"EPCH HOUSE" POCKET-6 & 7, SECTOR-C, L.S.C., VASANT KUNJ, NEW DELHI-110070
Tel: 91-11-26135256
Fax: 91-11-26135518, 26135519
Email: kolkata@epch.com
Web: www.epch.in

PRESS RELEASE

EPCH ORGANIZED A SEMINAR ON EXPLORING NEW MARKETS AND IDENTIFYING NEW PRODUCTS AT RAJIV GANDHI HANDICRAFT BHAWAN ON SATURDAY, DEC.28

NEW DELHI – December 30, 2013 – Export Promotion Council for Handicrafts (EPCH) organized a seminar on Exploring New Markets and Identifying New Products for promotion of exports from the country at Rajiv Gandhi Handicrafts Bhawan here on (Saturday) December 28, 2013.

The session was addressed by Dr. Tamanna Chaturvedi, Assistant Professor at Indian Institute of Foreign Trade (IIFT), New Delhi. The speaker interacted with participants wherein over 55 exporters were present.

The objective of conducting this seminar was to make the member exporters aware on how new markets can be identified by customizing their existing products. The importance of product innovation in order to withstand the fierce competition from major exporting countries like China.

During the seminar, Dr. Chaturvedi emphasized that before entering a market, the market should be analyzed on two parameters i.e. Import Demand and its Competitiveness. She informed that the Market's competitiveness can be judged on parameters like demand of the product in its domestic market and position of Indian players to satisfy their demand. She also stressed upon availing the benefits provided by the Government to the handicraft exporters through various schemes like Focus Product Scheme (FPS), Focus market Scheme (FMS), Market Development Assistance Scheme (MDA) and Market Access Initiative (MAI).

She made the exporters understand the importance of a HS Code and how the benefit varies from one HS code to the other. Using tools like Trademap.org explained that how the current export market can be understood i.e. major exporting countries, price of goods, growth in export over the years and tariff imposed on import using macmap.org.

Mr. Rakesh Kumar, Executive Director-EPCH informed that the seminar was concluded with remarks about which right market should be picked keeping in view its taste and preferences, packaging and logistics, duty concessions through various agreements signed between India and other countries.

The Executive Director-EPCH further informed that the Council will organize seminars on other subjects also for the promotion of handicrafts exports from the country.

For more information, kindly contact:
Mr. Rakesh Kumar, Executive Director, EPCH at : 9818272171

प्रेस विज्ञप्ति

ईपीसीएच ने नए बाजारों की खोज और नए उत्पादों की पहचान पर शनिवार को राजीव गांधी हस्तशिल्प भवन में एक सेमिनार का आयोजन किया

नई दिल्ली- 30 दिसंबर 2013 - हस्तशिल्प निर्यात संवर्धन परिषद (ईपीसीएच) ने 28 दिसंबर 2013 को नए बाजारों की खोज और नए उत्पादों की पहचान के लिए राजीव गांधी हस्तशिल्प भवन में एक सेमिनार का आयोजन किया.

इस सत्र को भारतीय विदेश व्यापार संस्थान (आईआईएफटी) नई दिल्ली में सहायक प्रोफेसर डा. तमन्ना चतुर्वेदी ने संबोधित किया. वक्ता ने इस दौरान उपस्थित 55 से अधिक निर्यातक प्रतिभागियों से बातचीत की.

इस सेमिनार के आयोजन का उद्देश्य सदस्य निर्यातकों को अपने मौजूदा उत्पादों को नए बाजारों की जरूरत के मुताबिक बनाने की के प्रति जागरुक करना था. और चीन जैसे प्रमुख निर्यातक देशों से भारी प्रतिस्पर्धा का सामना करने के क्रम में अपने उत्पाद में नवीनता के महत्व पर बल देना था.

सेमिनार के दौरान, डॉ. चतुर्वेदी ने बताया कि एक बाजार में प्रवेश करने से पहले बाजार को दो मापदंडों- आयात की मांग और अपनी प्रतिस्पर्धात्मकता पर विश्लेषण किए जाने की जरूरत पर बल दिया.

उन्होंने बताया कि बाजार की प्रतिस्पर्धा को अपने घरेलू बाजार में उत्पाद की मांग और निर्यातकों की स्थिति जैसे मानकों के आधार पर आंका जा सकता है. उन्होंने इसकी भी जानकारी दी कि सरकार द्वारा हस्तशिल्प निर्यातकों को दी जा रही सुविधाओं यथा फोकस प्रोडक्ट स्कीम (एपपीएस), फोकस मार्केट स्कीम (एफएमएस), मार्केट डेवलप्मेंट असिस्टेंस स्कीम (एमडीए) और मार्केट एक्सेस इनिशएटिव (एमएआई) का लाभ कैसे उठाया जाए.

उन्होंने निर्यातकों को एचएस कोड के महत्व और कैसे एक एचएस कोड से दूसरा एचएस कोड भिन्न होता है यह भी समझाया. उन्होंने बताया कि कैसे Trademap.org जैसे उपलब्ध टूल का इस्तेमाल किया जाए और बताया कि मौजूदा निर्यात बाजार का उपयोग यानी macmap.org का इस्तेमाल कर प्रमुख निर्यातक देशों, उत्पाद की कीमत, साल दर साल निर्यात में वृद्धि और आयात पर लगाए जा रहे शुल्क को भी विस्तार पूर्वक समझाया.

ईपीसीएच के कार्यकारी निदेशक श्री राकेश कुमार ने बताया कि सेमिनार का समापन पसंद और प्राथमिकता, पैकेजिंग और लॉजिस्टिक, भारत और अन्य देशों के बीच विभिन्न समझौतों के तहत ड्यूटी में छूट को ध्यान में रखते हुए सही मार्केट के चयन की जानकारी के साथ हुआ.

ईपीसीएच के कार्यकारी निदेशक ने आगे बताया कि परिषद देश से हस्तशिल्प निर्यात को बढ़ावा देने के लिए अन्य विषयों पर सेमिनार का आयोजन करेगी.

अधिक जानकारी के लिए संपर्क करें:

श्री राकेश कुमार, कार्यकारी निदेशक - ईपीसीएच - +91-9818272171

DR. TAMANNA CHATURVEDI, ASSISTANT PROFESSOR, AT INDIAN INSTITUTE OF FOREIGN TRADE (IIFT) NEW DELHI ADDRESSING AN EPCH SEMINAR ON EXPLORING NEW MARKETS AND IDENTIFYING NEW PRODUCTS FOR THE AWARENESS OF HANDICRAFT EXPORTERS AT RAJIV GANDHI HANDICRAFT BHAWAN ON SATURDAY, DECEMBE 28, 2013

GLIMPSES OF EPCH AWARENESS SEMINAR HELD ON EXPLORING NEW MARKETS AND IDENTIFYING NEW PRODUCTS AT RAJIV GANDHI HANDICRAFT BHAWAN ON SATURDAY, DECEMBER 28, 2013